

ज्ञान मंथन

- 1) संटूल बैंकिंग अवार्ड 2023 में गवर्नर ऑफ इंडियन प्रूस्कार दिल्ली देश के संटूल बैंक के गवर्नर का प्रबन्ध किया गया था?
 - 2) किस उद्घोषणित को भारत का इस्पात युरुप्र कहा जाता है?
 - 3) 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के लूप में मनाया जाना किस रूप से प्रारम्भ हुआ?
 - 4) भारत ने अपना किस एक विदेशीय अंतर्राष्ट्रीय विकास टंके किस देश के साथ और किस रूप में खेला था?
 - 5) किस देश के लिए प्लायरिस्ट सर्जन को 2024 का विश्वी प्रताधन किया गया?

RamaQuiz (Pappu Ganesh)



उत्तर माला

(1) भारत (2) जमशेद जे ईरानी (3) 2015 (4) इंग्लॅड-1974
(5) प्रेमा धनराज

अक्षय तृतीया पर बाल विवाह गोकर्णे जिला प्रशासन गवर्नर्क

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पिपरिया

मैं रक्तदान शिविर का आयोजन

कवरथी | कवकर्ता भी जनसेवा महासभा के निदेश पर प्रमुख एवं स्वास्थ्य विधायिकाओं द्वारा उपलब्ध गत वर्ष में जनसेवा में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिषाकरण में विशेष रक्तदान शिविर एवं राज्य सभा पैलासीमा भौमिक लकड़ी रायपुर से आए थे। ताराचर सरकर के सामने कुल 20 प्राप्तिहारिम लगातार शिविर कर रक्तदान करने का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर में कुल 20 युवक रक्तदान किया गया। विभिन्न काला सूर्योदायोदीप विनायक चतुर्दशी द्वारा आयोजित रक्तदान का प्रोत्तोष किया। गोरक्षा विनायक चतुर्दशी है जिसके अवसरे इस दिन शिविर में द्वारा दर्शनिकों के द्वारा रक्तदान शिविर में रक्तदान किया गया। इस दौरान कांक्षा शिविरसंघ के सभी नियानिक प्रशिक्षण, सम्बन्ध और लिङ्ग सम्बन्धक तथा समस्या प्रशिक्षण का बहुत लाभ प्राप्त किया गया।

धर्म समावार...



को दिन पर सोने-चांदी की खरीदारी करना भी बध रहा है। इसी के साथ अश्व तुरीया पर तुलसी से जुड़ी कुछ छोटे से चांदी की बाजार भी आए गए, जिनमें जबन के साथ जीवन एवं अश्व पर्याप्ति को मिल सत्रह हैं।

अश्व तुरीया मृगी -

वैदिक शुद्ध तुरीया तिथि शुद्ध तुरीया 10 मा. 2023 को प्राप्त है। इस मिट्ठा पर हो रही है। वैदिक शुद्ध तुरीया का समाप्ति 11 मई को रोजि 02 बज़राम, 50 मिनट पर होता है। ऐसे अश्व तुरीया का पर्ण 10 मई, शुद्ध तुरीया का अप्तना जापाणी। इस दिन का सूर्य अप्तना तुरीया का अप्तना जापाणी।

अक्षय तृतीया पर करें तुलसी से जड़े ये उपाय, पूरी होगी हर मनोकामना

प्रकार रहेगा - प्रातः 05 बजकर 33 मिनट से दोपहर 1 बजकर 18 मिनट तक रहेगा।

मिलेगा विशेष लाभ
तुलसी के पौधे में माता लक्ष्मी का वास माना गया है। ऐसे
में अपना दर्शना के लिए आप उत्तमी रूप साथ आवेदन करें।

भगवान विष्णु का तुलसा आत प्रय माना गइ ह आर बन्दुक
तुलसी दल के उनका भोग अधूरा माना जाता है। ऐसे-
अक्षय तत्त्वाय के दिन भगवान विष्णु के भोग में तलसी

शनि जयंती पर फूजा के समय जस्तै पढ़ें यह व्रत कथा, खुल जाएंगे किस्मत के द्वारा मनाने वाले श्रावणी में निवित है कि मर्यादा देव की पवित्रता अन्तर्भुक्ति में आपे प्रियता से आजा पाकर तपश्चात् करें।

जाने से पहले वातांनी में दूर कर दिया जाता है ताकि उसका असर दूर करा बचा ले। जाने से पहले वातांनी में दूर कर दिया जाता है ताकि उसका असर दूर करा बचा ले।

शनि जयंती आभास नहीं हुआ कि उनकी सेवा सज्जा नहीं कर रही हैं बल्कि उनका प्रतिरूप छाया कर रही है। ज्योतिष गणना के अनुसार ०८ एवं १० बजे जयंती होती है। इस दौरान दृष्टि वैज्ञानिक अध्यावस्था

उपवास रखा जाता है। धार्मिक मत है कि शनिदेव को पूजा करने से व्यक्ति के जीवन में व्याप सभी दुर्घट और संकट दूर हो जाते हैं। साथ ही कुण्डली में शनि ग्रह मजबूत

होता है। कुण्डली में शनि ग्रह मजबूत होने से जातक अल्प समय में ऊँचा मुकाम हासिल करता है। अगर आप भी शनिदेव का आशीर्वाद पाना चाहते हैं, तो वैशाख अवस्था पर धिरधुरीक शनिदेव की पूजा करें। साथ ही इन प्राचीन राशि ज्योतिःसंग्रह में दिव्य एवं देवी पापनी शनिदेव की प्रतीक्षा करें।

हा झूळा के समय वह कथा जल्ल पढ़ा। कथा - सनातन शास्त्र मा निहाय ही का सूखे दव का पिला अङ्गाराग्नि संज्ञा अपने से आओ जाकर पारकरने करने वाली गई। जाने से पहले माता संज्ञा ने प्रतिरूप छाया को प्रकट कर संयुक्त की सेवा में लगा दिया। संयुक्त देव को यह आभास नहीं हआ कि उनकी सेवा संज्ञा नहीं कर

